*डीबीयू की वर्चुअल शुरुआत**

शक्तिकान्त दास

माननीय प्रधान मंत्री, माननीय वित्त मंत्री, केंद्र सरकार के माननीय मंत्री, राज्य सरकारों के माननीय मुख्यमंत्री और मंत्री, माननीय सांसद और विधायक, केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारियों, आरबीआई के उप गवर्नर, बैंकों के प्रबंध निदेशक (एमडी) और कार्यपालक निदेशक (सीईओ), देश भर से आए गणमान्य व्यक्ति और प्रतिभागी, देवियो और सज्जनो।

इस कार्यक्रम में माननीय प्रधान मंत्री का स्वागत करना मेरे लिए गौरव की बात है। यहां उनकी उपस्थिति हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। मैं इस मौके पर माननीय वित्त मंत्री, वित्त राज्य मंत्रियों, अन्य मंत्रियों, प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों का भी स्वागत करता हूं।

यह वास्तव में एक ऐतिहासिक अवसर है कि जब हम 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं, तब ऐसे समय में प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र की सेवा के लिए 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां (डीबीयू) समर्पित की जा रही हैं। यह सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय बैंक संघ और सहभागी बैंकों की एक संयुक्त पहल है।

हाल के वर्षों में, डिजिटल बैंकिंग देश में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए एक पसंदीदा माध्यम के रूप में उभरी है। बैंकिंग सेवाओं के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता में सुधार के लिए रिज़र्व बैंक प्रगतिशील कदम उठा रहा है। केंद्रीय बजट 2022-23 में 75 डीबीयू की स्थापना के लिए की गई घोषणा के बाद, आरबीआई ने भारतीय बैंक संघ और क्षेत्र के अन्य विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए। यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंकों की इस पहल के प्रति बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया रही है। हमारी आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश के 75 जिलों में रिकॉर्ड छह महीने के समय में 75 डीबीयू स्थापित किए गए हैं।

हमारा केंद्र-बिंदु बैंकिंग क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष के फायदों का लाभ उठाना है। देश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को और बढ़ाने की दिशा में डीबीयू की स्थापना एक कदम है। यह डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में एक सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करेगा और निर्बाध बैंकिंग लेनदेन की सुविधा प्रदान कर ग्राहक अनुभव में सुधार करेगा। डीबीयू कागज रहित, दक्ष, संरक्षित और सुरक्षित वातावरण में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करके वित्तीय समावेशन के संवर्धन के हमारे प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे। डीबीयू द्वारा प्रदान की जाने वाली विशिष्ट वित्तीय सेवाओं में अन्य बातों के साथ-साथ बचत, ऋण, निवेश और बीमा शामिल हैं। ऋण वितरण के क्षेत्र में, शुरुआत करने के लिए डीबीयू ऑनलाइन आवेदन से लेकर संवितरण तक छोटे टिकट खुदरा और एमएसएमई ऋणों का संपूर्ण डिजिटल प्रसंस्करण (एंड-टू-एंड डिजिटल प्रोसेसिंग) प्रदान करेगा। डीबीयू कुछ चिन्हित सरकारी प्रायोजित योजनाओं से संबंधित सेवाएं भी प्रदान करेंगे। इन इकाइयों में दो माध्यमों से उत्पाद और सेवाएं प्रदान की जाएंगी, यथा, स्वयं सेवा और सहायता आधारित तरीका, जिसमें से स्वयं सेवा माध्यम से ये सुविधाएं 24 x 7 x 365 आधार पर उपलब्ध होंगी। डीबीयू का विस्तार करने के लिए बैंक डिजिटल कारोबार सुलभकर्ताओं और कारोबार प्रतिनिधियों की सेवाओं को संलग्न करने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

मैं इस सुअवसर पर बहुत कम समय में इन 75 डीबीयू को स्थापित करने में भारतीय बैंक संघ, जिन बैंकों ने इन डीबीयू की स्थापना की है, वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक में मेरे साथियों के संयुक्त प्रयासों के प्रशंसनीय कार्यों की सराहना करता हूं।

मैं एक बार पुनः इस मौके पर माननीय प्रधान मंत्री, माननीय वित्त मंत्री, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का स्वागत करता हूं।

धन्यवाद।

---

* 16 अक्टूबर 2022 को श्री शक्तिकान्त दास, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक का स्वागत भाषण।